लघु उद्योग क्षेत्र में उत्पादन और रोजगार में वृद्धि

426. श्री दिलीप सिंह जूदेव : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1990–91, 1991–92 और 1993–94 के दौरान लघु उद्योग क्षेत्र में उत्पादन और रोजगार में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ;

(ख) रोजगार और उत्पादन में संतोषजनक वृद्धि न होने के क्या कारण हैं; और

(ग) 1994–95 के केन्द्रीय बजट से लघु उद्योगों के किस प्रकार प्रभावित/लाभान्वित होने की संभावना है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) लघु उद्योगों में उत्पादन तथा रोजगार में वृद्धि जारी रही है । लघु क्षेत्र द्वारा 1990–91, 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के दौरान किया गया उत्पादन, रोजगार और उनकी विकास दरें इस प्रकार हैं :—

वर्ष	उत्पादन*		रोजगार	
	उपलब्धि (रु. करोड़ में)	विकास दर (प्रतिशत)	उपलब्धि (संख्या लाख में)	विकास दर (प्रतिशत)
1990–91 . . .	155340	——	125.30	——
1991–92 . . .	160000	3.1	129.80	3.6
1992–93 . . .	168969	5.6	134.06	3.3
1993–94 (पी) . .	1791000@	5.9	139.38	4.0

*1990–91 के मूल्यों पर

@अप्रैल–सितम्बर, 1993 की अवधि के लिए अनुमानित ।

(ख) वर्ष 1991–92 में लघु क्षेत्र में उत्पादन की अपेक्षाकृत कम विकास दर दर्शायी है । इसे अर्थव्यवस्था में आई सामान्य मन्दी की पृष्ठभूमि में देखना होगा । विकास दर पर विदेशी मुद्रा सम्बन्धी बाधाओं, ऋण की कमी, मांग की कमी, उच्च ब्याज दर, कच्चे माल की कमी आदि जैसे प्रतिकूल कारकों से भी प्रभाव पड़ा है । विकास में वर्ष 1992–93 और 1993–94 के दौरान वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है ।

(ग) उत्पाद प्रक्रियाओं को सरल बनाना, लघु उद्योग छूट योजनाओं में अतिरिक्त मदों को शामिल किया जाना, लघु उद्योग छूट योजना के सम्बन्ध में अपंजीकृत क्षेत्र को पंजीकृत क्षेत्र के समान बनाना, उत्पाद विवरणियों की संख्या में कमी, उत्पाद-शुल्क निरीक्षकों के प्रवेश पर प्रतिबन्ध, अन्य व्यक्ति के ब्रांड नाम के प्रयोग की सुविधा को वापिस लेना, कुछ मदों के सम्बन्ध में दी गई उत्पाद शुल्क सम्बन्धी छूट को वापिस लेना, अन्य राज्यों के अन्य पिछड़े जिलों में पांच वर्ष तक का कर अवकाश लागू करना आदि जैसे कुछ प्रस्तावों/उपायों की 1994–95 के केन्द्रीय बजट में घोषणा की गई है । जिससे लघु उद्योग क्षेत्र पर प्रभाव पड़ने इसे लाभ मिलने की आशा है ।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किये गए निर्यात

427. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991–93 के दौरान सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों द्वारा किये गये निर्यात का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या ये निर्यात अनुमानित निर्यात से कम हैं ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) इन उपक्रमों के उत्पादन और निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) वर्ष 1991–93 के दौरान सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों द्वारा किए गए निर्यात का ब्यौरा दिनांक 23 फरवरी, 1994 को सभा पटल पर रखे गये लोक उद्यम सर्वेक्षण, 1992–93 के खण्ड–1 में विवरण संख्या 24 में दिया गया है। इस विवरण से सरकारी उद्यमों की निर्यात आय में बढ़ती हुई प्रवृत्ति का पता चलता है। कुल मिला कर सरकारी उद्यमों के लिए विशेष रूप से निर्यात लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जाते हैं हालांकि प्रमुख उद्यम अग्रिम रूप से लक्ष्यों का अनुमान लगा लते हैं जिनकी प्राप्ति राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कारणों पर निर्भर करती है और कभी-कभी ये कारण उद्यम विशेष के नियंत्रण के बाहर होते हैं।

(घ) सरकारी क्षेत्र के कुछ उपक्रम निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयोजन के लिए चयनात्मक रूप से विदेशी कम्पनियों के साथ आबकारी प्रबन्ध बाई-बैक प्रबन्ध तथा संयुक्त उद्यम जैसे नए प्रबन्ध कर रही है ।

Poor performance of HMT, Bangalore

428. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the one-time high profit-making public sector undertaking, HMT, Bangalore, has recorded a dismal performance in 1993-94 with a massive net loss of Rs. 117.26 crore;

(b) if so, the reasons for HMT's poorest performance in the last 4 decades of its existence;

(c) whether any plan has been formulated to improve its performance; and;

(d) if so, the broad features thereof and if not, how it is proposed to prevent the HMT from slipping into the red?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT. KRISHNA SAHI): (a) The estimated net loss of HMT for 1993-94 is Rs. 117.26 crores.

(b) The reasons for poor performance of the company are stiff competition, product obsolescence and high overheads.

(c) and (d) Government has allowed HMT to convert its individual business groups into joint-venture companies.

मध्य प्रदेश में सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

429. **श्री अजीत जोगी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में चल रहे सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के स्थल-वार नाम क्या-क्या हैं ;

(ख) इन उपक्रमों में से प्रत्येक में किए गए पूंजी निवेश की कुल राशि क्या है ; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इनमें से प्रत्येक उपक्रम को हुए लाभ और घाटे का ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) 31–3–94 की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के ऐसे 6 उद्यम थे जिनका पंजीकृत कार्यालय मध्य प्रदेश राज्य में है । उनका स्थान उनमें किया गया निवेश और पिछले तीन वर्षों के दौरान उनके द्वारा अर्जित लाभ अथवा उठाई गई हानि का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है ।